BSES
BSES Yamuna Power Limited
a joint venture with GONCTD

संवाद

www.facebook.com/bsesdelhi https://twitter.com/BSESDELHI

जुलाई - 2024

वीइकल-टु-ग्रिड (V2G) टेक्नोलॉजी प्रोजेक्ट्स के लिए बीएसईएस की पहल

बीएसईएस न केवल अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को तैनात करने में अग्रणी है, बल्कि यह उभरती प्रौद्योगिकियों को मुख्यधारा में लाकर भारत में बिजली क्षेत्र में मानक भी स्थापित कर रही है। इस प्रयास के तहत बीवाईपीएल ने अपने क्षेत्र में ग्राउंड ब्रेकिंग व्हीकल–टु–ग्रिड (वी2जी) प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के लिए इंडिया स्मार्ट ग्रिड फोरम (आईएएसजीएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। आईएसजीएफ,युनिवर्सिटी ऑफ डेलावेयर (यूडीईएल)के साथ साझेदारी में इस पायलट प्रोजेक्ट को लागू करेगा।

वी2जी प्रौद्योगिकी परियोजना इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी)और ग्रिड के बीच दो–दिशात्मक ऊर्जा आपूर्ति की संभावनाओं का प्रदर्शन करेगी। वह यह दिखाएगी कि ईवी कैसी ग्रिड का सहयोग कर सकते हैं, कैसे बैकअप बिजली के रूप में कार्य कर सकते हैं और किस तरह पावर मार्केट में भागीदारी कर सकते हैं। यह परियोजना हरित बिजली से ईवी चार्जिंग का परीक्षण करेगी, जो बीएसईएस के लिए टिकाऊऊर्जा समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फीडबैक

अपने फीडबैक व सुझाव भेजें: कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस, बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड,
पंजीकृत कार्यालय: शक्ति किरण बिल्डिंग, कड़कड़डूमा, दिल्ली–110032
सीआईएन: CIN:U40109DL2001PLC111525,
फोन: 11-4124-7111/4124-9273
ईमेल: bypl.feedback@relianceada.com,
वेबसाइट: www.bsesdelhi.com

बिजली से सुरक्षा के सुझाव

1 बारिश के दौरान बिजली उपकरणों जैसे कि बिजली के पोल, बिजलीघरों की बाउंड्री और फेन्सींग आदि से दूर रहें। यदि बिजली उपकरणों जैसे बिजली के पोल इत्यादि के आस पास पानी भरा हो तो पानी से होकर ना गुजरें उसमें करंट हो सकता है।

2 बिजली की चोरी न करें, ऐसा करते वक्त आपकी जान को खतरा हो सकता है और यह एक सामाजिक बुराई भी है।

3 अपने छज्जों को अनाधिकृत तरीके से बढ़ाकर बिजली उपकरणों तक ना ले जाएं यह जानलेवा है और कानून का उल्लंघन भी है।

4 उपभोक्ता BSES में लगे विद्युत उपकरणों को किसी भी स्थिति में हाथ न लगाएं व उनसे दूरी बनाकर रहें।

5 यदि उपभोक्ता किसी भी तरह की चिंगारी या आग विद्युत उपकरणों में पाता है, तो तुरंत BYPL के हेल्पलाइन नंबर 19122 (टोल फ्री) पर सूचित करें।

6 बिजली के झटकों व दुर्घटनाओं से बचने के लिए नियमानुसार ईएलसीबी / आरसीसीबी (ELCB/RCCB) यानी अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर बिजली मीटर के बाद लगवाएं। इससे आपका परिवार बिजली के खतरों से सुरक्षित रहेगा।

7 पतंग उड़ाने के लिए मेटल वाले मांझे का प्रयोग ना करें। बिजली के तारों व सब स्टेशनों के पास पतंग ना उड़ाएं। इससे बिजली का करंट लग सकता है।

8 अगर गेंद अथवा कोई भी चीज ट्रांसफॉर्मर के पास चली गई हो तो उसे निकालने ना जाएं, यह खतरनाक है। अगर कोई गिरी हुई वस्तु को निकालना जरूरी है तो हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

9 बिजली के तारों के पास या तारों पर कपड़े ना सुखाऐं। उनसे दूरी बनाकर रखें। यह खतरनाक एवं जानलेवा हो सकता है।

करंट लगने पर क्या करें

- बिजली के स्रोत को तुरंत मेन स्विच से ऑफ करें
- यदि यह संभव नहीं, तो किसी नॉन–मैटलिक / ड्राई स्टिक की सहायता से बिजली के स्रोत को पीड़ित व्यक्ति के शरीर से अलग करें
- उपचार के लिए तत्काल एंबुलेंस / अस्पताल / डॉक्टर को फोन करें
- उपचार के लिए मदद पहुंचने तक उसे आराम की मुद्रा में लेटा दें
- पीड़ित व्यक्ति को पानी के संपर्क में न आने दें
- मदद पहुंचने तक व्यक्ति के पास ही रहें

बिजली से सुरक्षा संबंधी उपरोक्त सुझावों को अपने परिवार व दोस्तों से साझा व विचार–विमर्श करें ताकि बिजली संबंधी दुर्घटनाओं को रोका जा सके

किसी भी आतापकालीन स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 19122 (टोल फ्री) पर सूचना दे।

मोबाइल ऐप, टोल फ्री और हेल्पलाइन नंबरों जैसे सुविधाजनक माध्यमों से बिजली गुल की शिकायत दर्ज कराएं

टॉल फ्री 24x7
19122

एसएमएस
5616108

बिजली चोरी संबंधी
8588892156
बिजली गुल की शिकायत
8745999808

स्ट्रीटलाइट
41999808

बीवाईपीएल, शक्ति किरण बिल्डिंग, कड़कड़डूमा, दिल्ली – 110032 के लिए फ्रेंड्स कलर इमेजेस प्राइवेट लिमिटेड, 148, सेक्टर 4, आईएमटी मानेसर, गुड़गांव, हरियाणा – 122050 द्वारा मुद्रित